TITIKSHA PUBLIC SCHOOL

DRISHTIKONE

DIWALI EDITION

TWIRL IN TRADITION, GROOVE IN GLORY!

द्रौपदी की पुकार

कृषा जेना
दसवीं डी

न चाहिए तुम्हारी खोखली जीत,
न सिंहासन, न कोई वैभव की रीत
बस सुनो मेरी गाथा सुनो,
अब ना दुर्योधन जैसे जानवरों को पलने दो

अग्नि के मुख से जन्मी थी मैं,
बचपन मेरी खुशियों से लिपटा था
फिर ना जाने किस्मत ने कौनसा खेल रचा,
कि वो हँसती मुस्कान बलिदान के आँसुओ से लिपट गया
सुनो मेरी गाथा सुनो,
अब ना दुर्योधन जैसे जानवरों को पलने दो

विवाह के बंधन में बंधने का सिर्फ अर्जुन को मैंने अधिकार दिया,
परंतु कुंती के वचन के कारण पाँचो को मैंने स्वीकार लिया
अरे!स्वीकार लिया वो भी जब जग ने मुझे धिक्कारा था
दूर-दूर तक लोगों ने जब एक वैश्या कहकर पुकारा था
सुनो मेरी गाथा सुनो,
अब ना दुर्योधन जैसे जानवरों को पलने दो

लिपट गई उस दुख में जहाँ ताकत और धोखे का ताना बाना मिलता है
जहाँ के कड़वे हक के लिए सम्मान का सौदा होता है
एक चौसर के खेल के लिए जहाँ तक बिक जाती है,
राजनीति के नाम पर महाज्ञानियों के नेत्रों पर तक पट्टी बंध जाती है
सुनो मेरी गाथा सुनो,
अब ना दुर्योधन जैसे जानवरों को पलने दो

घसीटा था मुझे मेरे केशों,
क्रोध से मैं लहू-लुहान हुई
मेरे गिरिधर ने मेरे बिखरे सम्मान को जरूर समेट दिया
परन्तु उन जानवरों की क्रूर हँसी ने मेरी आत्मा को चीर कर दिया
अरे!नारी का ये शोषण तो कलयुग तक चलता जाएगा
तब तो कृष्ण आ गए कलयुग में कौन आएगा?
सुनो मेरी गाथा सुनो,
अब ना दुर्योधन जैसे जानवरों को पलने दो

परन्तु जान न पाया वो जिसने नारी पर आँख उठा ली है,
कि वही नारी एक दुर्गा है और वही नारी एक काली है
वो प्रेम भी कर सकती है, वो प्राण भी हर शक्ति है
दे सकती है जो जन्म तुम्हें, संहार भी वो कर सकती है
विधि का विधान है ये कि हर दुर्योधन का अंत निश्चित है
सुनो मेरी गाथा सुनो,
अब ना दुर्योधन जैसे जानवरों को पलने दो

RAMAYANA

A TIMELESS TALE OF VALOR AND VICTORY!

From Ayodhya to Lanka: Witnessing the ultimate battle of Good vs Evil, Grade IV students mesmerised the audience with their terrific performance where they unfolded the epic story of Divine Duty and Destiny. Also, they showcased the eternal saga of loyalty, love, courage and devotion.

FEATIVAL OF LIGHTS FIESTA

TITIKSHA PUBLIC SCHOOL CELEBRATES DIWALI WITH SPIRITUAL FERVOUR

"Diwali is not just a festival, it's a symbol of victory of good over evil."

In keeping with this spirit, Titiksha Public School organised a devotional Sunderkand recitation along with Diwali Pujan on October 29. The event sought to invoke the blessings of Goddess Lakshmi, embodiment of prosperity and opulence.
The entire Titiksha family came together in prayer, filling the atmosphere with love, joy, and happiness. It was a truly wonderful day, marked by spiritual unity and collective gratitude.

BACK TO CULTURAL ROOTS: RAMAYAN ENACTMENT

“THE GREATNESS OF A CULTURE CAN BE FOUND IN ITS FESTIVALS”

TITIKSHA PUBLIC SCHOOL

Sector XI, Rohini, Delhi 110085.

Contact Number : 011-42953242, 011-49148714

Visit us : www.titikshapublicschool.com